जनगणना प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को मिला दूषित भोजन

घटिया और गंध युक्त भोजन पाकर शिक्षकों ने जताया विरोध, फेंकी थालियां

नवभारत न्यूज

सतना 17 अप्रैल. भारत की जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील कार्य है, जिसे पूरी जिम्मेदारी के साथ संपादित किया जाना चाहिए. कुछ इस तरह की ताकीद जनगणना कार्य में संलग्न प्रगणकों और सुपरवाइजरों को लगभग हर रोज सुनने का मिल रही है. लेकिन जिन जिम्मेदारों द्वारा इस तरह की ताकीद की जा रही है, वे इस बात से पूरी तरह अनभिग्य बने हुए हैं कि जनगणना कार्य में संलग्न शिक्षकों को कम से कम गुणवत्तापूर्ण भोजन तो मुहैया करा दिया जाए.

जिम्मेदारों की इसी अनदेखी का फायदा उठाते हुए सप्लायर द्वारा इतना घटिया भोजन भेज दिया गया कि उसकी हालत देख शिक्षक आक्रोशित हो गए. वहीं कुछ ने तो अपनी थालियां ही फेंक दीं.

जनगणना कार्य आरंभ होने से पहले इस कार्य में संलग्न शिक्षकों का प्रशिक्षण शुरु हो गया है. इसी कड़ी में स्थानीय शासकीय व्यंकट क्र. 1 उत्क्रष्ट विद्यालय परिसर में शिक्षकों का प्रथम चरण का प्रशिक्षण आरंभ हुआ. प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों के लिए चाय और भाजन की व्यवस्था शासकीय दिशा निर्देशों के आधार पर की गई थी. लेकिन दोपहर होने पर जब शिक्षकों को भोजन थमाया जाने लगा तो उनके चेहरों पर असंतुष्टि के भाव पनपने लगे. शिक्षकों को जो थाली सौंपदी गई थी उसमें सब्जी-रोटी, दाल-चावल सहित मीठे में नारियल की बर्फी जैसी खाद्य सामग्री मौजूद थी. भोजन न सिर्फ काफी घटिया स्तर का था बल्कि कुछ थालियों में से भोजन के खराब हो जाने की गंध भी आ रही थी. इतना ही नहीं बल्कि भोजन की हालत को देखते हुए अधिकांश शिक्षकों ने भूखे पेट रहने में भलाई समझी. शिक्षकों का कहना था कि यदि इस तरह के दूषित भोजन का सेवन किया गया तो स्वास्थ्य खराब होना लगभग तय है.

यह देखते ही वहां पर मौजूद शिक्षकों का आक्रोश बढ़ने लगा. उन्होंने भोजन व्यवस्था पर भला-बुरा कहना शुरु कर दिया. इसी दौरान घटना से संबंधित जानकारी सोशल मीडिया पर भी वाइरल होने लगी. चूंकि शहर के अंदर जनगणना प्रशिक्षण से संबंधित जिम्मेदारी नगर निगम को उठानी है. लिहाजा मामले के संज्ञान में आने पर नोडल अधिकारी उपायुक्त वित्त ननि सत्यम मिश्रा सक्रिय हो गए. उपायुक्त ने फौरन ही भोजन की सप्लाई करने वाले ठेकेदार को तलब किया और कड़ी फटकार लगाई. इसी कड़ी में उन्होंने सख्त ताकीद की कि यदि भोजन की गुणवत्ता को लेकर शिकायत सामने आई तो वे कार्रवाई करने से नहीं हिचकेंगे.

प्रति शिक्षक 200 रुपए का बजट

प्राप्त जानकारी के अनुसार जमनगणना प्रशिक्षण कार्य में संलग्न शिक्षकों को चाय और भोजन उपलब्ध कराने के लिए 200 रु का बजट रखा गया है. लेकिन इसके बावजूद भी शिक्षकों को ऐसा भोजन मिला मानों कहीं और का बचा-खुचा खाना पैक कराकर भेज दिया गया हो. हलांकि शिक्षकों ने सामने आकर कुछ भी बोलने से मना कर दिया. लेकिन उनमें से अधिकांश यहीं मानना था कि चाहे निर्वाचन हो अथवा जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य, शिक्षकों को हमेशा से हाशिए पर ही रखा जाता है.

लग गया प्लास्टिक का ढेर

एक ओर जहां नगर निगम द्वारा पर्यावरण संरक्षण को लेकर शहर को प्लास्टिक से मुक्त करने का प्रचार जोर-शोर से किया जाता है. लेकिन जब बात इस पर स्वयं अमल करने की आती है तो ननि की प्राथमिकता कहीं गुम हो जाती है. जनगणना कार्य में संलग्न शिक्षकों को जो गुणवत्ताहीन भोजन दिया गया उसे दरअसल प्लास्टिक की थालियों में पैक किया गया था. जिसका नतीजा यह हुआ कि व्यंकट 1 उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में उक्त प्लास्टिक की थालियों का ढेर लग गया, जो हवा में उड़कर जहां तहां बिखरने लगा. लिहाजा जब तक विद्यालय प्रबंधन द्वारा सफाई नहीं कराई जाती तब तक प्लास्टिक का वह कचरा परिसर में प्रदूषण फैलाता रहेगा.

ट्रेन में महिला का पर्स छीनकर भागा बदमाश

जीआरपी सतना ने जीरो में की कायमी

नवभारत न्यूज

सतना, 17 अप्रैल. शादी-ब्याह की सीजन शुरु होते ही चोर-उचक्के भी सक्रिय हो जाते हैं. फिर चाहे वैवाहिक पण्डाल हो, घर हो अथवा बस-ट्रेन लगभग हर स्थान पर पहुंचकर वे घटनाओं को अंजाम देना शुरु कर देते हैं. इसी कड़ी में ट्रेन में यात्रा कर रही एक महिला का पर्स छीन लिए जाने की घटना सामने आ गई.

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के नागौद क्षेत्र के निवासी मुकेश गुप्ता की पत्नी श्रीमती रुचि गुप्ता फतुहा बिहार में परिवार के वैवाहिक आयोजन में सम्मिलित होने के लिए गई थीं. गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात उन्होंने फजुहा रेलवे स्टेशन से 13201 जनता एक्सप्रेस पकड़ी. उक्त ट्रेन की एस-2 बोगी में उनका आरक्षण.

लिहाजा ट्रेन में सवार होने के बाद वे अपने बच्चों के साथ सीट पर बैइ गईं. बतागया गया कि ट्रेन जैसे ही मुगलसराय रेलवे स्टेशन से आगे बढ़ी एक युवक उनकी सीट के आस पास मंडराने लगा. सुबह के लगभग 5 बजे जैसे ही ट्रेन मिर्जापुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर पहुंच रही थी. वैसे ही उस युवक ने अचानक ही रुचि का पर्स झपट लिया. इससे पहले ही रुचि कुछ समझ पातीं युवक उनका पर्स लेकर ट्रेने से उतरकर ओझल हो गया. चूंकि रुचि के साथ बच्चे भी थे लिहाजा वे उसका पीछा नहीं कर सकीं. इसी दौरान ट्रेन आगे बढ़ गई. लिहाजा ट्रेन जब सतना रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो वे सीधे जीआरपी उप थाने पहुंच गईं और घटना की शिकायत दर्ज कराई.

पर्स में थे कीमती आभूषण

रुचि ने जीआरपी को बताया कि उनके पर्स में सोने के 2 मंगलसूत्र, 2 जोड़ी कान के झुमके, 1 मोबाइल फोन और लगभग 3 हजार रु की नकदी सहित कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज मौजूद थे. जिसकी कीमत लाखों रु आंकी गई. रुचि की शिकायत पर जीआरपी द्वारा जीरो में प्रकरण दर्ज कर लिया गया और आगे की विवेचना-कार्रवाई के लिए केस डायरी को मिर्जापुर जीआरपी को भेज दिया गया.

जंगल की आग बुझा रहे 2 बीट गार्ड हुए बेहोश

सीएचसी मझगवां में उपचार के बाद सुधरी हालत

नवभारत न्यूज

सतना 17 अप्रैल. गर्मी के जोर पकड़ने पर पिछले पखवाड़े भर से ऐसा कोई दिन सामने नहीं आया जब जिले में खेत अथवा जंगल में आग लगने की घटना सामने न आई हो. इसी कड़ी में जिले के मझगवां वन परिक्षेत्र अंतर्गत रोहनिया के जंगल में भी भीषण आग लग गई.

आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसे बुझाने में लगे वन अमले के 2 बीट गार्ड बेहोश होकर अस्पताल पहुंच गए. प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के मझगवां वन परिक्षेत्र अंतर्गत रोहनिया के जंगलों में लगी आग ने शुक्रवार को भीषण रुप ले लिया. सूखी गर्मी और तेज हवाओं के मेल से आग जंगल में तेजी से फैलने लगी. मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय स्तर पर वन अमले द्वारा आग को नियंत्रित करने के प्रयास शुरु कर दिए. लेकिन उपलब्ध सीमित संसाधनों के साथ वन अगले का प्रयास नाकाफी साबित होता नजर आया. जिसके चलते आगे ने विकराल रुप लेना शुरु कर दिया. हलांकि वन कर्मियों ने हिम्मत नहीं हारी और जहां भी उन्हें समझ में आया उसी प्वाइंट से उन्होंने आग को राकने के प्रयास जारी रखे. लेकिन इसी दौरान वन विभाग के 2 बीटगार्ड अचानक गश खकर नीचे गिर गए. जिसे देखते हुए साथियों ने फौरन उन्हें सुरक्षित बाहर निकालते हुए मझगवां स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. जहां पर जारी रहे उपचार के बाद उनकी हालत में सुधार होता नजर आने लगा.

बताया गया कि जंगल में भड़की आग की वजह से एक ओर जहां आस पास का तापमान काफी बढ़ गया था. वहीं दूसरी ओर लगातार आग जलने के कारण उक्त क्षेत्र में आक्सीजन की मात्रा भी काफी घट गई थी. जिसके चलते बीट गार्ड रामकृष्ण पाण्डेय और गोविंद यादव बेहोश हो गए थे.

हलांकि वन अमले के प्रयास के बावजूद भी जंगल की आग रुकने का नाम नहीं ले रही थी. दोपहर बाद जंगल की आग निकट स्थित गांव की ओर बढ़ने लगी. जिसके चलते पूरे गांव पर खतरा मंडराने लगा. यह बात और है कि खतरे को भांपते हुए वन अमले के साथ ग्रामीण भी सक्रिय हो गए और आग को गांव तक पहुंचने से पहले रोक लिया गया.

डिप्टी कलेक्टर जितेन्द्र वर्मा होंगे नागौद एसडीएम

सतना 17 अप्रैल कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य आईएएस के जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्य पूर्ण होने के फ्लस्वरूप अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी नागौद के प्रभार से शनिवार 18 अप्रैल की पूर्वान्हे से भारमुक्त कर दिया है। प्रशासनिक कार्य की सुविधा की दृष्टि से प्रभारी डिप्टी कलेक्टर सतना जितेन्द्र कुमार वर्मा को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी नागौद को प्रभार सौपा गया है। सहायक कलेक्टर सतना अनिकेत शांडिल्य प्रशासनिक अकादमी में आयोजित फीडबैक सत्र में 24 अप्रैल को अपनी उपस्थित आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में देंगे।

अधिवक्ता संघ चुनाव में महिला आरक्षण

नवभारत न्यूज

सतना. 17 अप्रैल. जिला अधिवक्ता संघ सतना के निर्वाचन अधिकारी लोक अभियोजक /शासकीय अभिभाषक रमेश मिश्रा (जीपी) ने बताया कि संघ की कार्यकारिणी द्वारा 30 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है।

आगामी द्विवार्षिक निर्वाचन सत्र 2026-2028 के लिए पदों का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है कोषाध्यक्ष का पद पूर्णत महिला अधिवक्ताओं के लिए आरक्षित किया गया है कार्यकारिणी सदस्यों के कुल पदों में से दो पद महिला अधिवक्ताओं के लिए आरक्षित रहेंगे। यह निर्णय महिला अधिवक्ताओं की निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित करने और माननीय न्यायालयों के आदेशों का अक्षरश: पालन करने हेतु लिया गया है। संघ के निर्वाचन अधिकारी रमेश मिश्रा ने बताया निर्वाचन कार्यक्रम की विस्तृत समय-सारणी शीघ्र ही पृथक से जारी की जाएगी।

संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने सौंपा ज्ञापन, समस्यायों के निराकरण की रखी मांग

नवभारत न्यूज

सतना 17 अप्रैल. संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी का जीवन सहित उसका परिवार, सम्मान और आर्थिक स्थिरता जैसी मूलभूत मांगों ने आखिरकार उन्हें आंदोलित होने को मजबूर करना शुरु कर दिया है.

अपनी इन्ही समस्यायों के निराकरण की उम्मीद में शुक्रवार को संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी जिला कलेक्टोरेट पहुंचे. जहां पर उन्होंने प्रशासनिक अधिकारी को मांग पत्र सौंपते हुए जल्द से जल्द न्याय दिलाने की अपील की. संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के नेतृत्व में आधा सैकड़ा कर्मचारियों का समूह शुक्रवार को जिला कलेक्टारेट पहुंचा. जहां पर उन्होंने प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी समस्यायों के निराकरण की मांग की. बिंदुवार समस्यायों को सामने रखते हुए कर्मचारियों ने बताया कि पिछले 3-4 वर्षों से अपने दायित्वों का पिष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करते आ रहे हैं. लेकिन इसके बावजूद भी प्रशासनिक और वित्तीय समसयों के चलते उनका जीवन चिंताजनक और असहनीय स्थिति में पहुंच चुका है. उन्हें जो मानदेय दिया जाता है उसमें टीडीएस की कटौती होती है. लेकिन इसके बावजूद भी वह जमा नहीं होता है. ईपीएफ राशि कटने के बावजूद उनके खाते में जमा नहीं होती है. वेतन समय पर नहीं मिलता और जब मिलता है तो बिना कारण कटौती कर ली जाती है. सार्थक अटेंडेंस के नाम पर न सिर्फ उनके वेतन की कटौती की जाती है बल्कि मानसिक उत्पीड़ल भी किया जाता है. लिहाजा उन्होंने मांग की कि शासन के दिशा निर्देशों का कड़ाई से पालन सुश्चित कराया जाए. कार्यालयीन कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चत की जाए. इसी कड़ी में वेतन कटौती को लेकी पारदर्शी और न्यायसंगत प्रक्रिया सुनिश्चत की जाए.

कठिन प्रश्नपत्र के बावजूद अभिषेक के रसायन में शत प्रतिशत अंक

नवभारत न्यूज

सतना, 17 अप्रैल. माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश के वर्ष 2026 के उच्चतर माध्यमिक परीक्षा परिणामों में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, वेंकट क्रमांक-1 सतना के छात्र अभिषेक मिश्रा ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करते हुए रसायन विज्ञान विषय में 100 में 100 अंक अर्जित किए हैं।

विशेष बात यह है कि इस वर्ष रसायन विज्ञान का प्रश्नपत्र अपेक्षाकृत कठिन माना जा रहा था, जिसके बावजूद अभिषेक ने पूर्णांक हासिल कर अपनी मेधा और परिश्रम का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। अंकसूची के अनुसार अभिषेक मिश्रा ने कुल 470/500 अंक प्राप्त कर प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की। उनके इस प्रदर्शन ने न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। अपनी सफलता का रहस्य साझा करते हुए अभिषेक मिश्रा ने बताया कि रसायन विज्ञान के शिक्षक डॉ. रामानुज पाठक ने सत्र की शुरुआत में ही उन्हें एन सी ई आर टी रसायन विज्ञान की पुस्तकों को पंक्ति-दर-पंक्ति गहराई से पढ़ने की सलाह दी थी। अभिषेक के अनुसार, इसी मूलभूत और सटीक अध्ययन पद्धति ने उन्हें विषय की गहराई समझने में मदद की, जिससे कठिन प्रश्नपत्र में भी वे आत्मविश्वास के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके।

विंध्य क्षेत्र की माझी समाज को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिलाने सांसद का प्रयास

नवभारत न्यूज

सतना, 17 अप्रैल. विंध्य क्षेत्र की माझी समाज को अनुसूचित जनजाति का संवैधानिक अधिकार दिलाने को लेकर सतना सांसद गणेश सिंह ने केंद्रीय आदिवासी कार्य मंत्री जुएल ओराम से माझी समाज के अंतर्गत आने वाले केवट, मल्लाह, भोई और ढीमर समाज को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की अनुशंसा की है।

बता दे कि विगत दिनों माझी समाज महासंघ जिला सतना द्वारा सांसद को ज्ञापन सौपकर अपनी मांगे रखी थी। ज्ञापन में बताया गया है कि ऐतिहासिक और प्रशासनिक कारणों के चलते इन समाजों को लंबे समय से अनुसूचित जनजाति के संवैधानिक अधिकारों से वंचित रहना पड़ रहा है। महासंघ कहना है कि पूर्व विंध्य प्रदेश शासन ने 7 जनवरी 1950 को माझी समाज सहित केवट, मल्लाह, भोई और ढीमर समाज को अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता देने के लिए भारत सरकार को अनुशंसा भेजी थी।

रिपोर्ट्स का दिया हवाला-वर्ष 1961 में 1921 से हुई जनगणनाओं की रिपोर्टों के संकलन में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की प्रदेशवार सूचियां प्रकाशित हुई थीं, जिनमें माझी जनजाति के अंतर्गत केवट, मल्लाह, भोई और ढीमर समाज को शामिल किया गया था। यह मान्यता तत्कालीन विंध्य प्रदेश के दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी और शहडोल जिलों के लिए प्रभावी थी। हालांकि बाद में जारी राजपत्रों में केवल माझी नाम दर्ज होने के कारण केवट, मल्लाह, भोई और ढीमर समाज सूची से बाहर रह गए।

बताया क्यों है जरूरी

ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि इन समाजों का सामाजिक, ऐतिहासिक और पारंपरिक संबंध माझी जनजाति से रहा है। इनकी आजीविका मुख्य रूप से नदी, तालाब और पोखरों पर निर्भर है, जहां मछली पालन और नौकायन जैसे पारंपरिक कार्य इनके जीवन का आधार हैं।

एक नजर में

एकेएस के 21 छात्रों का हुआ प्लेसमेंट

सतना। एकेएस यूनिवर्सिटी की फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक गुणवत्ता और उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण का सशक्त प्रमाण प्रस्तुत किया है। कॉलेजदेखो के सहयोग से एमबीए (एलएससीएम एवं पीओएम) के 21 छात्रों का सफल प्लेसमेंट विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में सुनिश्चित किया गया है। यह उपलब्धि न केवल छात्रों के उज्वल भविष्य की दिशा में एक ठोस कदम है, बल्कि संस्थान की बढ़ती साख और शैक्षणिक गुणवत्ता को भी रेखांकित करती है। चयनित छात्रों को देश की जानी-मानी कंपनियों में अवसर प्राप्त हुए हैं, जिनमें लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन क्षेत्र की अग्रणी कंपनी डिलीवरी भी शामिल है।

महिला आरक्षण बिल स्वागत योग्य : सुरेन्द्र

सतना. जदयू राष्ट्रीय समिति के पूर्व सदस्य अधिवक्ता सुरेंद्र शर्मा ने महिला आरक्षण बिल यानी (नारी शक्ति बंदन अधिनियम) को स्वागत योग्य मानते हुए कहा कि यह बिल नारी स्वावलंबन, सुरक्षा, शसक्तीकरण और सम्मान का अवसर प्रदान करेगा साथ ही यह बिल महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा भी देगा.

जनगणना प्रशिक्षण का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

मैहर. कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी मैहर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने शुक्रवार को विवेकानंद महाविद्यालय मैहर पहुंचकर जनगणना कार्य में संलग्न प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को दिए जा रहे प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता का जायजा लिया और उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा की। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी ने कहा कि भारत की जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील कार्य है, जिसे पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ संपादित किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी प्रगणकों और सुपरवाइजरों को निर्देशित किया.

महिलाओं को 33 फीसदी अधिकार पर विपक्ष के विरोध से निराशा : डॉ. स्वप्ना वर्मा

देश की आधी आबादी की आकांक्षाओं पर कुठाराघात

नवभारत न्यूज

सतना, 17 अप्रैल. भारतीय जनता पार्टी *मध्य प्रदेश महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री डॉ. स्वप्ना वर्मा* ने कहा कि लोक सभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत अधिकार देने के मुद्दे पर विपक्ष के विरोध से महिलाओं में गहरी निराशा है। उन्होंने इसे महिलाओं के लिए काला दिन बताते हुए कहा कि देश की आधी आबादी की आकांक्षाओं पर कुठाराघात किया गया है।

डॉ. वर्मा ने कहा कि नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में केंद्र सरकार देश की महिलाओं को पूरा अधिकार देकर आज के दिन को इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज करना चाहती थी, लेकिन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों ने इसका विरोध कर इस पहल पर पानी फेर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के इस रवैये से उनका महिला विरोधी चेहरा उजागर हुआ है।

स्कूलों का समय बदला

मैहर. कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट मैहर बिदिशा मुखर्जी ने तापमान में वृद्धि होने के कारण संस्थाओं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पडने की संभावना को देखते हुए मैहर जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय विद्यालयों के संचालन समयावधि में परिवर्तन किया है।

ऐतिहासिक होगी ब्राह्मण एकता समन्वय समिति की महारैली : कमलाकर

नवभारत न्यूज

सतना, 17 अप्रैल. भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सर्व ब्राह्मण समाज संगठन जिला सतना के संरक्षक पंडित कमलाकर चतुर्वेदी ने जिले एवं आसपास के ब्राह्मणों से आगामी 20 अप्रैल को होने वाली महारैली में शामिल होने की अपील की है.

उन्होंने कहा कि इस बार की रैली जिले के समस्त ब्राह्मणों को एक साथ एक मंच पर लाने से ऐतिहासिक स्वरूप में होगी. जहां रैली में एक तरफ पा त्रों के जीवंत दर्शन होंगे वहीं दूसरी तरफ जिले की ब्राह्मण आबादी एकत्रीकरण का एक अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत होगा पंडित कमलाकर चतुर्वेदी ने कहा कि सभी ब्राह्मणों को एक साथ लाना ही सभी संगठनों का मूलभूत उद्देश्य है जिसे हमारे द्वारा लगभग 1980 में शुरू किया गया था

प्रदेश की मेरिट में आये जिले के 17 छात्रों का किया सम्मान

नवभारत न्यूज

सतना 17 अप्रैल. कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन में सतना जिले में माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी परीक्षा में प्रदेश की मेरिट में अपना स्थान बनाने वाले सभी 17 छात्र-छात्राओं को जिला पंचायत सतना के सभाकक्ष में समारोहपूर्वक अभिनंदन और सम्मानित किया गया।

इस मौके पर हाईस्कूल परीक्षा में प्रदेश की मेरिट में आये 6 छात्र और हायर सेकेण्डरी की मेरिट में आये 11 छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र, पुरूस्कार सामग्री और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। प्रतिभा अभिनंदन समारोह के अवसर पर सभी मेधावी छात्र-छात्राओं के माता-पिता और उनके शिक्षणगणों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, महापौर योगेश ताम्रकार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस, वनमण्डलाधिकारी मयंक चांदीवाल, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी गिरीश अग्निहोत्री, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी सहित मेरिट में आये छात्र-छात्राओं के अभिभावक और शैक्षणिक संस्था प्रमुख उपस्थित थे।